

हरवाई स.क्रि. (देश.) ऐसा कोई कार्य करना जिससे कोई हार जाए 2. ऐसी कोई वस्तु, राशि या इनाम जो किसी को हरवाने के बदले में दी जाए।

हरवाना स.क्रि. (देश.) ऐसा कार्य करना जिससे कोई हार जाय, **क्रि.अ.** हड़बड़ाकर, शीघ्रता से, उतावली से।

हरवाल पुं. (देश.) एक प्रकार की घास, सुरारी।

हरवाह/हरवाहा पुं. (देश.) हलवाहा, हल चलाने वाला।

हरवाहन पुं. (तत्.) शिव के वाहन अर्थात् नंदी।

हरवाही स्त्री. (देश.) हलवाहे का काम या मजदूरी, हल चलाने का काम या उसकी मजदूरी।

हरशंकरी स्त्री. (तद्.) एक साथ लगे पीपल और पाकड़ के पेड़ जो हिंदुओं द्वारा पूज्य और पवित्र माने जाते हैं।

हरशेखर स्त्री. (तत्.) भगवान शिव के सिर पर विराजने वाली गंगा नदी।

हरष पुं. (तद्.) हर्ष, खुशी, प्रसन्नता।

हरषई अ.क्रि. (तद्.) प्रसन्न होता है, हर्षित होता है।

हरषना अ.क्रि. (तद्.) 1. प्रसन्न होना, आनंदित होना, खुश होना, हर्षित होना 2. पुलकित या प्रफुल्लित होना।

हरषवंत वि. (तद्.) हर्षयुक्त, प्रसन्न, खुश।

हरषाना स.क्रि. (तद्.) प्रसन्न करना, हर्षित करना।

हरषि/हरसना क्रि.अ. (तद्.) प्रसन्न या खुश होना।

हरषित वि. (तद्.) हर्षित, प्रसन्न, खुश उदा. हरषित महतारी, मुनिमन हारी -मानस।

हरसा पुं. (देश.) हल का लंबा दंड या लट्ठा जिसके एक सिरे पर फल वाली लकड़ी होती है और दूसरे सिरे पर जुआ अटका रहता है।

हरसाना/हरषाना पुं. (तद्.) हर्षित करना, प्रसन्न करना या प्रसन्न होना।

हरसिंगार पुं. (तद्.) 1. केसरिया डंठल वाले सफेद सुगंधित फूलों वाला मझोले आकार का एक वृक्ष जिसमें प्रायः आश्विन मास में फूल आते हैं, फूल रात्रि में खिलते हैं तथा प्रभात होते होते झड़ जाते हैं तथा जमीन पर फूल ही फूल दिखलाई पड़ते हैं, इस वृक्ष के फूल तथा पत्तियाँ भी ओषधि बनाने में प्रयुक्त होती हैं, पारिजात वृक्ष 2. उक्त वृक्ष के फूल।

हरसौधा पुं. (देश.) कोल्हू में लगा पाटा जिस पर बैठकर बैल हॉके जाते हैं।

हरहट/हरहठ वि. (देश.) 1. नटखट, शरारती, शैतान 2. (तद्.) 1. हट्टा कट्टा 2. प्रबल और उदंड 3. दुष्ट 4. मौका मिलते ही बार-बार फसल चरने को दौड़ने वाली गाय आदि।

हरहराना अ.क्रि. (अनु.) हरहर की आवाज होना हरहर शब्द उत्पन्न करना।

हरहा पुं. (देश.) भेड़िया, वृक।

हरहाई/हरहाया वि. (देश.) 1. फसल को चरने के लिए बार बार खेतों में जाने वाला पशु जैसे- हरहाया साँड, ठरढाई गाय, हरहठ 2. नटखट, शरारती।

हर-हार पुं. (तत्.) 1. शिव का हार, सर्प, सांप 2. शेषनाग।

हर-हारा पुं. (देश.) खेत में हल चलाने वाला।

हर-होरवा पुं. (देश.) एक प्रकार की चिड़िया।

हराँस पुं. (देश.) मंद ज्वर, हारत।

हरा वि. (तद्.) 1. ऐसा रंग जो प्रायः नई पत्तियों या नई घास का होता है, हरित जैसे- हरी झंडी मुहा. 1. हरा करना-प्रसन्न करना 2. हरा दिखाई पड़ना, हरा भरा सूझना-सुख, आशा आदि की कल्पना करना 3. हरा होना-तरो ताजा होना, थकान मिटना।

हराई स्त्री. (देश.) 1. हारनेकी क्रिया या भाव, पराजय, हार 2. खेत में हल जोतने की क्रिया या भाव।